



atha bṛhaspati kavacam

ॐ अस्या श्री बृहस्पति कवाचा महामात्रस्या ईश्वरा इषिः। अनुष्टुप्चार्मदाह।  
 बृहस्पतिर्देवताः। अम् बीजाम्। श्रीम् शक्तिः। क्लीम् कीलकाम्। मामा बृहस्पति  
 ग्रहप्रसादा सिद्ध्यार्थे जपे विनियोगाह॥ (करण्यासाह) गार्म् अंगुष्ठाभ्याम्  
 नामाह। गीम् तर्जनीभ्याम् नामाह। गुर्म् मध्यमाभ्याम् नामाह। गाइम्  
 अनामिकाभ्याम् नामाह। गाउम् कानिष्ठिकाभ्याम् नामाह। गाह।  
 करातलाकारप्रस्त्राभ्याम् नामाह॥ (अंगण्यासाह) गार्म् ह्रदयाया नामाह। गीम्  
 शिरसे स्वाहाः। गुर्म् सिखायावृष्टिः। गाइम् कवाचाया हुर्म्। गाउम् नेत्रत्रयाया वृष्टिः।  
 गाह। अस्त्राया फटः। भुर्भुवसुवरोमि। दिग्भार्मधाह॥ (ध्यानाम्)  
 तप्तकार्मचना वर्णाभ्याम्। चतुर्भुजसामन्विताम्। दाम्दाक्षसूत्रमालाम्।  
 कामार्मदालाम्। वरान्विताम्॥ पीताम्बराद्धराम्। देवाम्। पीतगाम्धानुलेपनाम्।  
 पुश्परागमयाभ्युषाम्। विचित्रमाकुटोज्वालाम्॥ स्वर्णाश्वरथमारुद्धाम्।  
 पीताध्वजा सुसोभिताम्। मेरोह। प्रदक्षिनाम्। सम्यगाचरत्नाम्। सुसोभनाम्॥  
 अभिष्ठावरादाम्। देवाम्। सर्वज्ञाम्। सुरपूजिताम्। सर्वकामार्था सिद्ध्यारथाम्।  
 प्राणमामि गुरुम्। सदाः॥ (अथा कवाचम्) बृहस्पतिः। शिरः। पातु। लालाताम्।  
 पातु। मे। गुरुह। कर्णोह। सुरागुरुह। पातु। नेत्रे। मे। भीष्टादायकाह॥ नासाम्।  
 पातु। सुराचार्यो। जीवाम्। मे। वेदपारगाह। मुखाम्। मे। पातु। सर्वज्ञो। भुजाव।  
 पातु। शुभाप्रदाह॥ कराव। मे। वरादाह। पातु। वक्षो। मे। गिष्पतिः। स्तानाव।  
 मे। पातु। वागीषाह। कुक्षी। मे। शुभालक्षणाह॥ नाभीम्। पातु। सुनीतिज्ञाह।  
 कातिम्। मे। पातु। सर्वादाह। उरु। मे। पातु। पुण्यात्मा। जाम्ग्हे। मे। ज्ञानादाह।  
 प्रभुह॥ पादाव। मे। पातु। विश्वात्मा। सर्वाम्गाम। सर्वादा। गुरुह॥ (फलाश्रुतिः)  
 याह। इदाम्। कवाचम्। दिव्याम्। त्रिसाम्ध्याम्। प्रपाठेन्नराह। सर्वान्।  
 कामान्वाप्नोति। सर्वत्रा। विजयी। भवेत्॥ सर्वत्रा। पूज्यो।  
 भवति। वाक्वतेस्का। प्रसादताह। इति। ब्रह्मवािवरा। पुराणे। उत्तराखाम्दे।  
 बृहस्पति कवाचम॥

*For Qualitative Predictions & Potential Remedies visit*  
***WWW.astrovidya.com***